तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 44/2025)

प्रेस के लिए सूचना नोट

सत्यमेव जयते

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 29 मई 2025

(www.trai.gov.in)

30 अप्रैल, 2025 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	901.67*	41.41	943.09
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	633.29*	33.90	667.19
अप्रैल, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.72	0.36	1.08
मासिक वृद्धि दर	0.11%	1.07%	0.16%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	533.14*	3.51	536.65
अप्रैल, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.95	0.01	1.96
मासिक वृद्धि दर	0.37%	0.33%	0.37%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	1166.43*	37.41	1203.84
अप्रैल, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.68	0.37	3.05
मासिक वृद्धि दर	0.23%	1.00%	0.25%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@(%)	82.54%	2.65%	85.19%
शहरी दूरसंचार-घनत्व@(%)	124.78%	6.68%	131.46%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@(%)	58.87%	0.39%	59.26%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.29%	90.61%	55.42%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.71%	9.39%	44.58%

- अप्रैल, 2025 के माह में 13.48 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।
- अप्रैल, 2025 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1072.73 मिलियन थी।

नोट: -

1. * वायरलेस में 5जी एफडब्ल्यूए (फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस) सदस्यता भी शामिल है।
2. @ 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट 2011-2036' से जनसंख्या के प्रक्षेपण के आधार पर।
3. # VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न टीएसपी के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।
4. इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सेवा

अप्रैल, 2025 के अंत में 1,462 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, मार्च, 2025 में 1,206 सेवा प्रदाताओं की तुलना में, ब्राडबैंड सब्सक्राइबर की संख्या 944.12 मिलियन से घटकर 943.09 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर -0.11 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

अप्रैल, 2025 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		मार्च-25	अप्रैल-25	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड (वायर्ड) ब्रॉडबैंड** (डी,एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	41.39	41.41	0.07%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड** (5जी एफडब्ल्यूए, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो, सैटेलाइट)	4.89	4.87	-0.55%
	मोबाइल ब्रॉडबैंड (हैंडसेट/डोंगल आधारित)	897.84	896.81	-0.12%
कुल		**944.12***	**943.09***	**-0.11%**

*यह रिपोर्ट मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और मेसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत अंतिम रिपोर्ट (नवंबर 2024) इंटरनेट सदस्यता डेटा पर विचार करते हुए तैयार की गई है, क्योंकि उन्होंने दिसंबर 2024 के बाद निर्धारित प्रारूप में अपेक्षित डेटा प्रस्तुत नहीं किया है।

30 अप्रैल, 2025 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	476.58*
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	289.31*
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	125.63
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	34.26
5.	अटरिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.30
टॉप फाइव बनाम टोटल ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) का मार्केट शेयर		**98.41%**

*नवंबर-24 तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है: -

दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

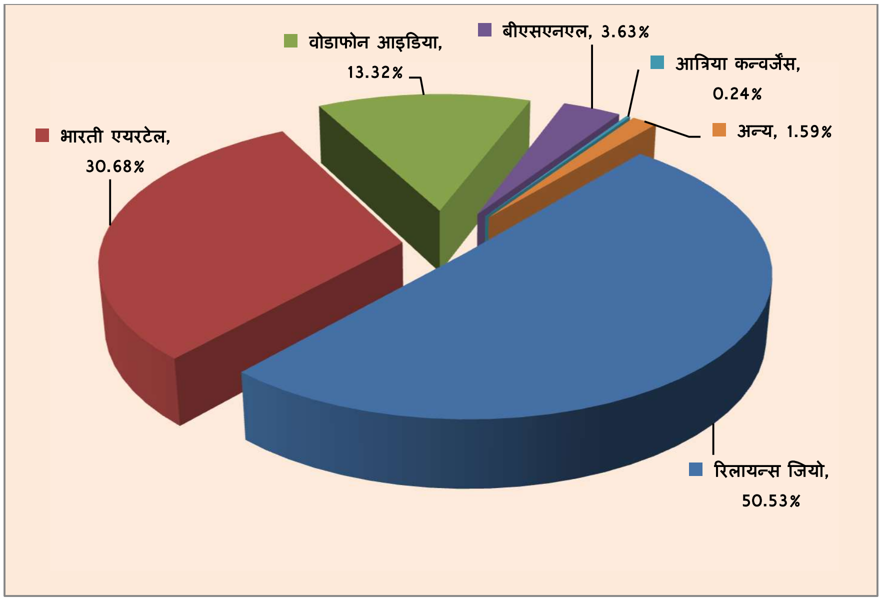

- **दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार फिक्सड (वायर्ड) सेवा प्रदान करने वाले पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	11.48*
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	8.55*
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.32
4.	अटरिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.30
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.33
टॉप फाइव वायरलाईन ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**67.56%**

*नवंबर-24 तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार

- **दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस (फिक्स्ड वायरलेस और मोबाइल) ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	465.10*
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	280.76*
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	125.63
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	29.94
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.09
टॉप फाइव वायरलेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.98%**

*नवंबर-24 तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार

II. वायरलाइन सब्सक्राइबर

- वायरलाइन सब्सक्राइबर मार्च, 2025 को 37.04 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 को 37.41 मिलियन हो गए। इस माह में 1.00% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या में 0.37 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व मार्च, 2025 के अंत में 2.62% से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 2.65% हो गया। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 6.68% और 0.39% था। मार्च, 2025 के अंत में कुल वायरलाइन ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 90.61% और 9.39% थी।

- 30 अप्रैल, 2025 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 27.40 हिस्सेदारी थी। वायरलाइन की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

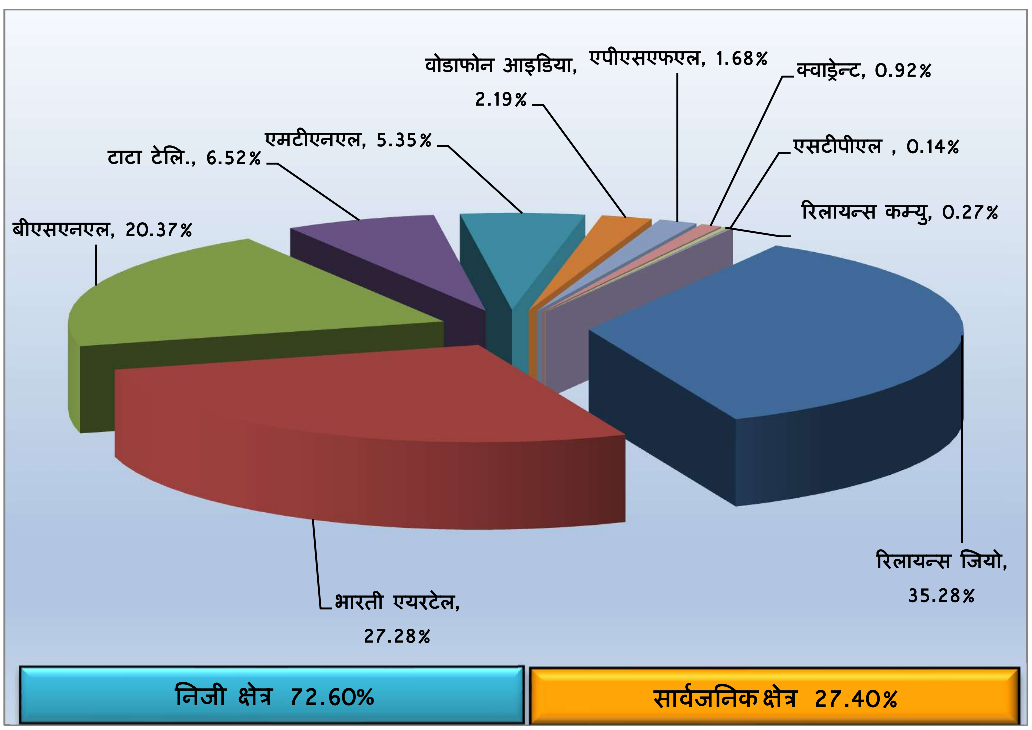

अप्रैल, 2025 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए सब्सक्राइबर

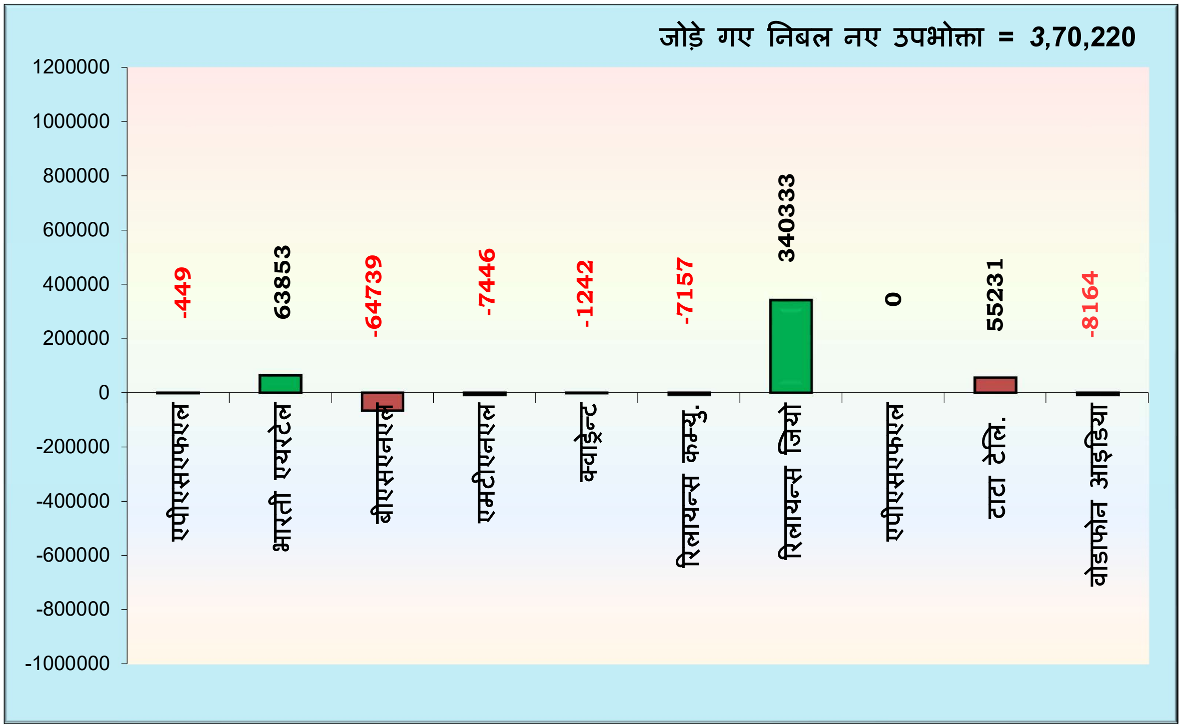

III. वायरलेस (मोबाइल + 5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर

- कुल वायरलेस (मोबाइल + 5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर मार्च, 2025 को 1,163.76 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 को 1,166.43 मिलियन हो गए, जिससे 0.23% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन मार्च, 2025 को 632.57 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 को 633.29 मिलियन हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी सब्सक्रिप्शन 531.18 मिलियन से बढ़कर 533.14 मिलियन हो गया। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.11% और 0.37% थी।

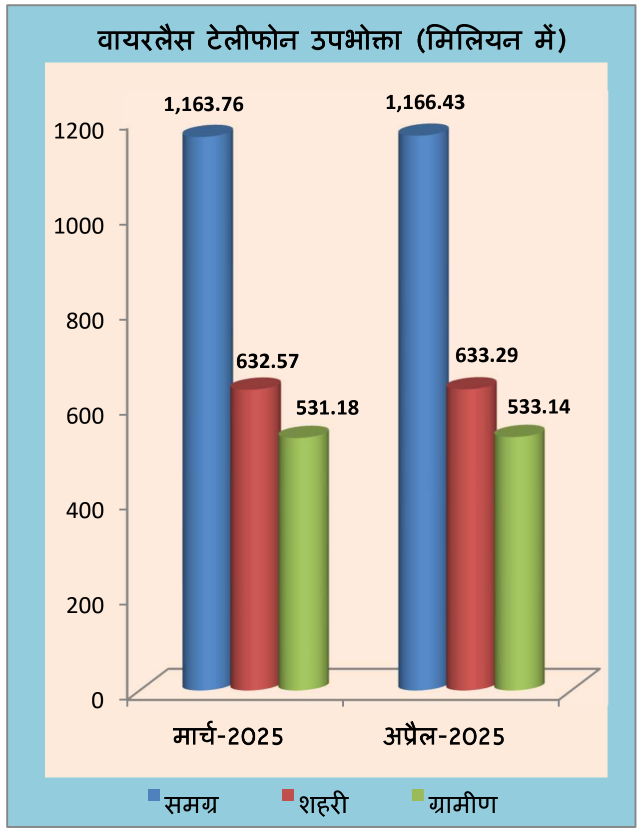

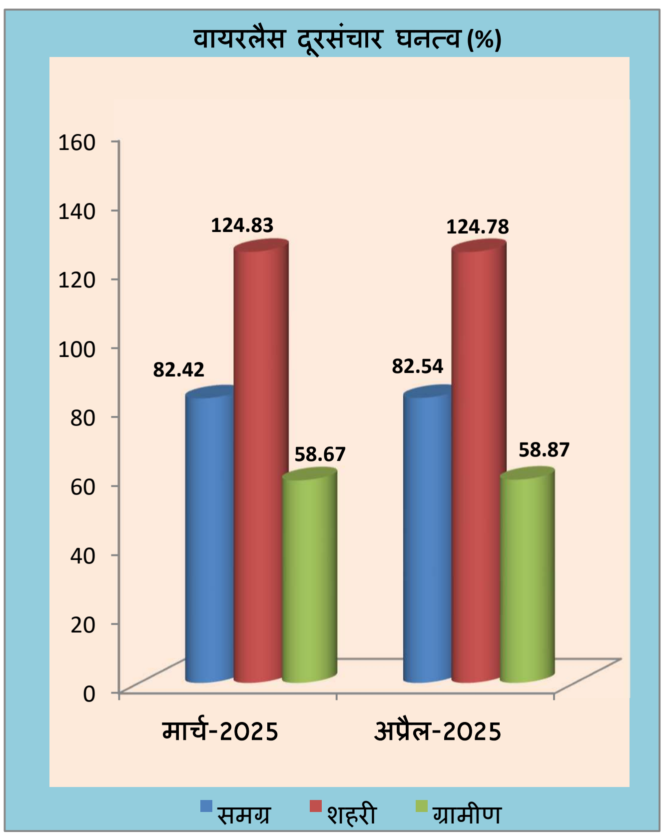

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व मार्च, 2025 के अंत में 82.42% से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 82.54% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व मार्च, 2025 के अंत में 124.83% से घटकर अप्रैल, 2025 के अंत में 124.78% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व 58.67% से बढ़कर 58.87% हो गया। अप्रैल, 2025 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.29% और 45.71% थी।

वायरलेस (मोबाइल) और वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(ए) वायरलेस (मोबाइल) ग्राहक

• कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहक मार्च, 2025 के अंत में 1,156.99 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 1,158.93 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.17% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) ग्राहक मार्च, 2025 के अंत में 628.31 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 628.57 मिलियन हो गए और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलेस (मोबाइल) ग्राहक 528.68 मिलियन से बढ़कर 530.36 मिलियन हो गए। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहक की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.04% और 0.32% थी।

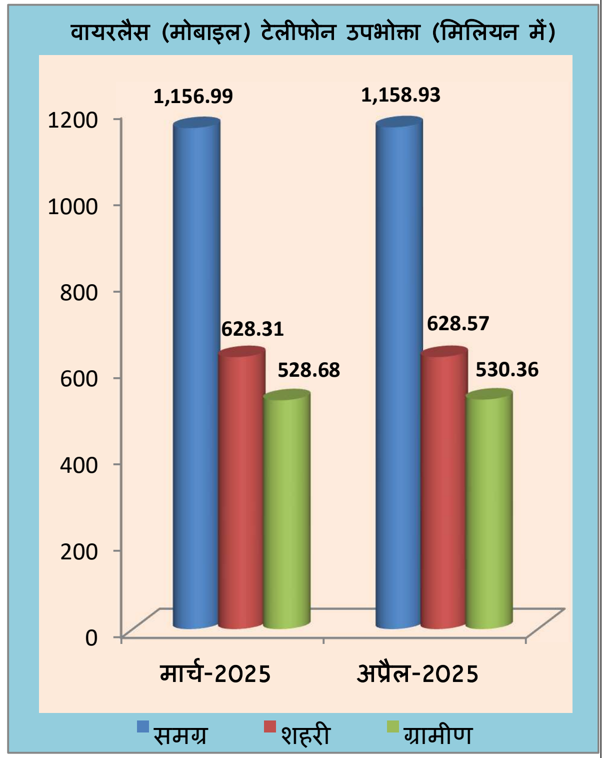

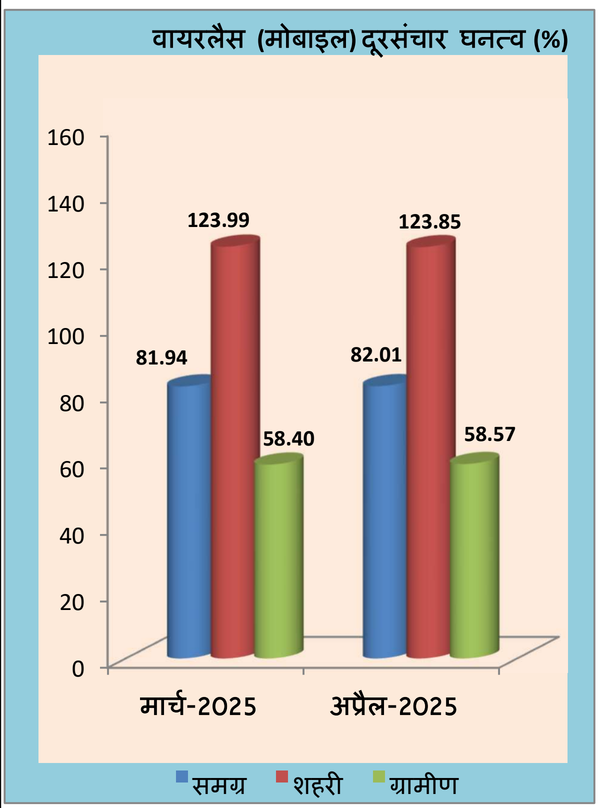

• भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व मार्च, 2025 के अंत में 81.94% से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 82.01% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत में 123.99% से घटकर अप्रैल, 2025 के अंत में 123.85% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व 58.40% से बढ़कर 58.57% हो गया। अप्रैल, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.24% और 45.76% थी। वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.08% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 7.92% बाजार हिस्सेदारी थी।
- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

30 अप्रैल, 2025 तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

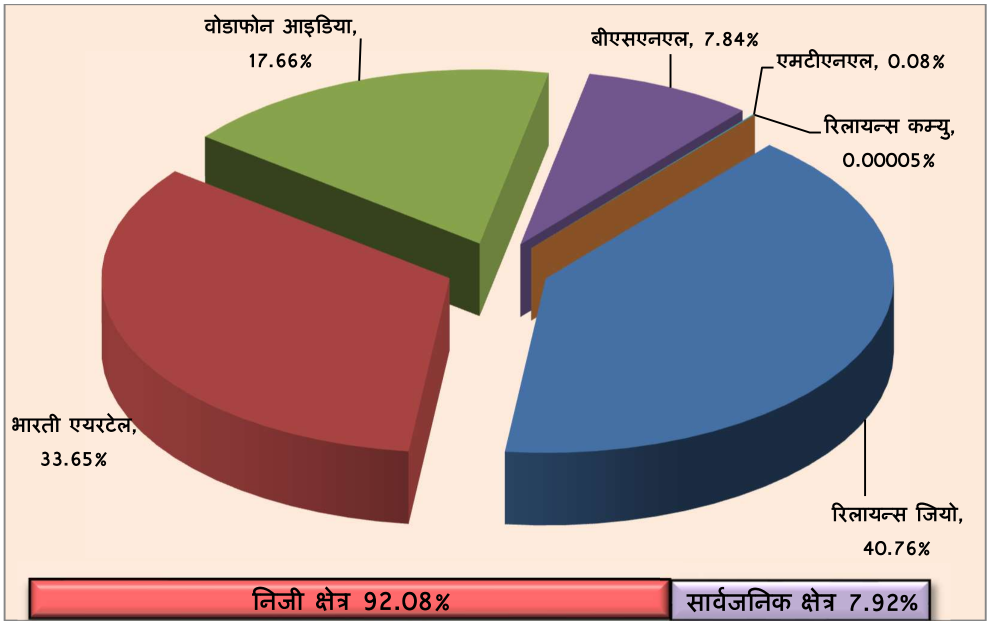

30 अप्रैल, 2025 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

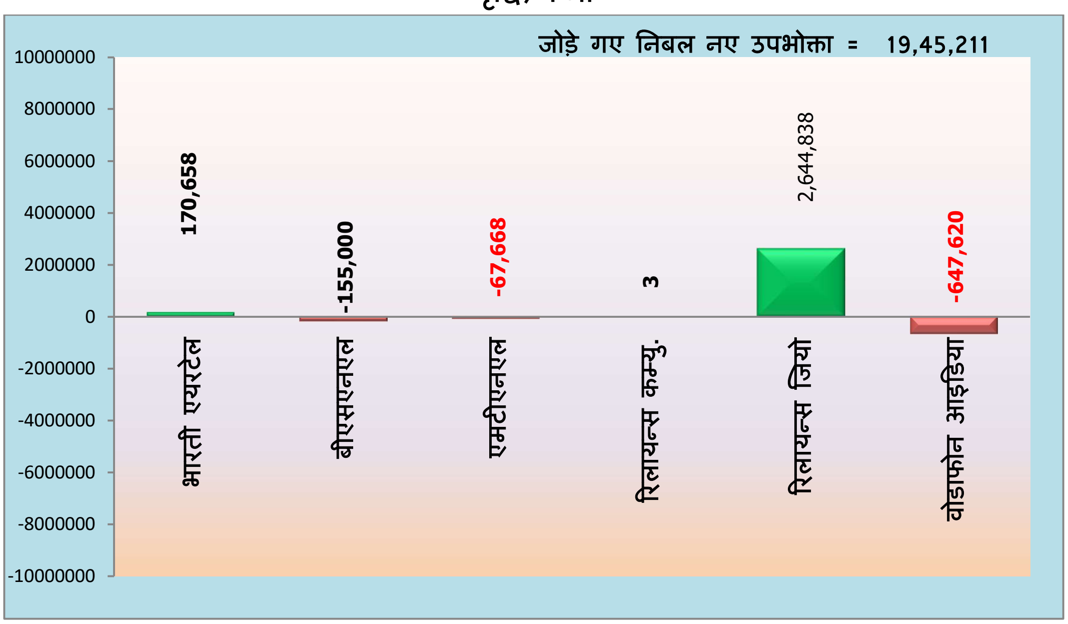

वायरलैस (मोबाइल) उपभोक्ताओं में वृद्धि

अप्रैल, 2025 माह में वायरलेस उपभोक्ताओं की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

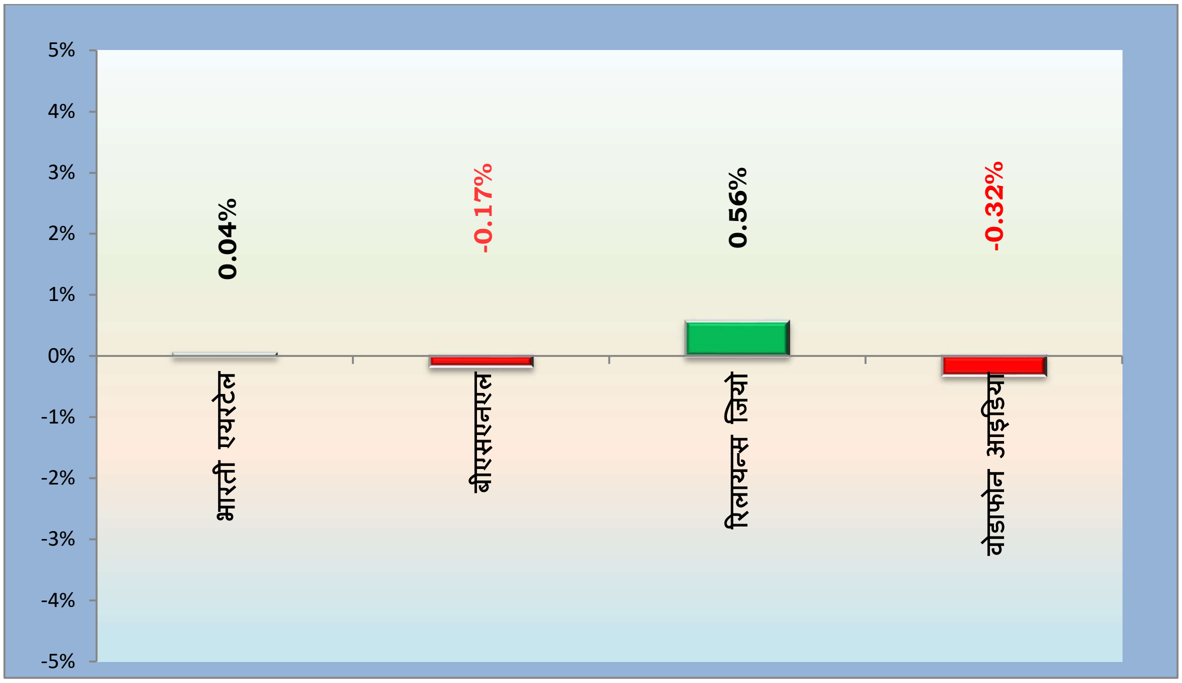

अप्रैल, 2025 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

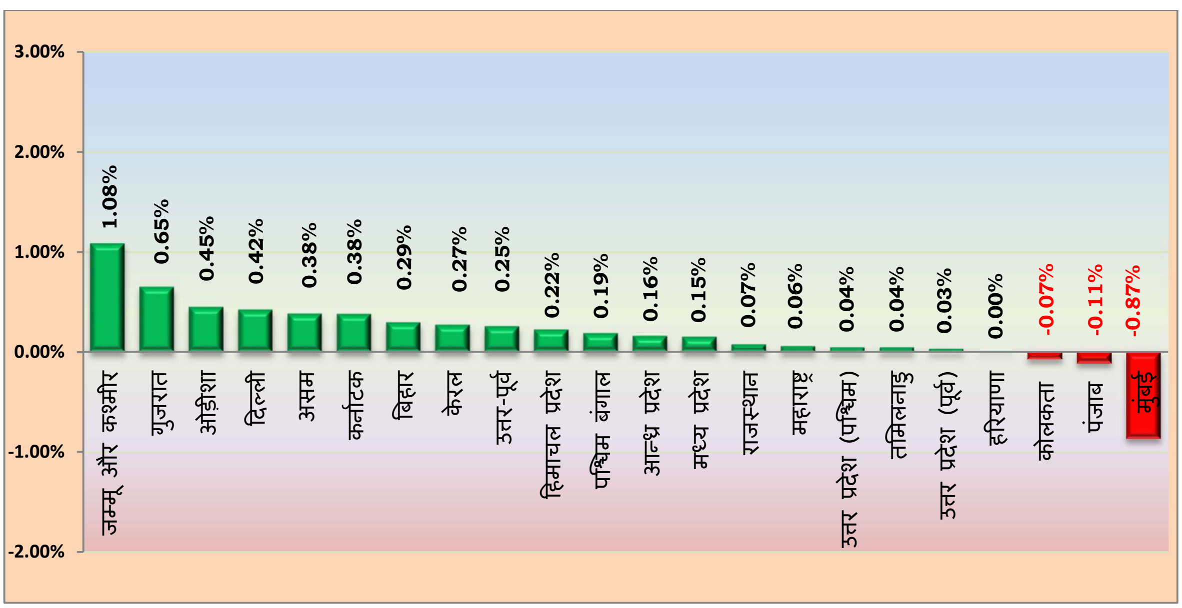

- अप्रैल, 2025 के दौरान कोलकता, पंजाब और मुंबई सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई।

(बी) वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) ग्राहक

- मार्च, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) ग्राहकों की संख्या 6.77 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 7.50 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहकों की संख्या क्रमशः 4.72 मिलियन और 2.77 मिलियन थी।

- अप्रैल, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 63.01% और 36.99% थी। वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या मार्च, 2025 के अंत में 66.54 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत में 69.87 मिलियन हो गई।

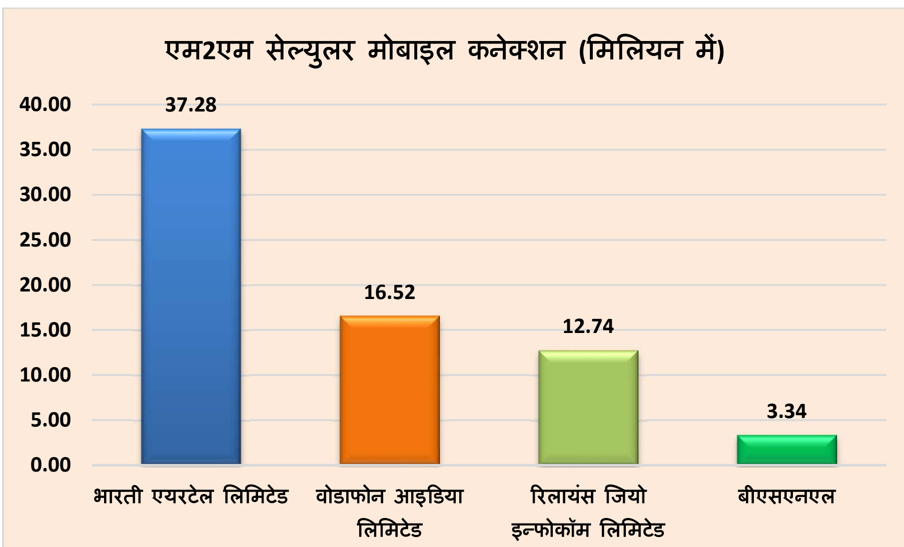

भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 53.35% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 37.28 मिलियन हैं, इसके बाद वोडाफोन आइडिया लिमिटेड, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 23.64%, 18.24% और 4.77% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर

मार्च, 2025 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबर की संख्या 1,200.80 मिलियन से बढ़कर, अप्रैल, 2025 के अंत तक 1,203.84 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.25 प्रतिशत दर्ज की गयी। मार्च, 2025 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबर की संख्या 666.11 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत तक 667.19 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबर की संख्या भी 534.69 मिलियन से बढ़कर 536.65 मिलियन हो गई। अप्रैल, 2025 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबर की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.16% तथा 0.37% रही।

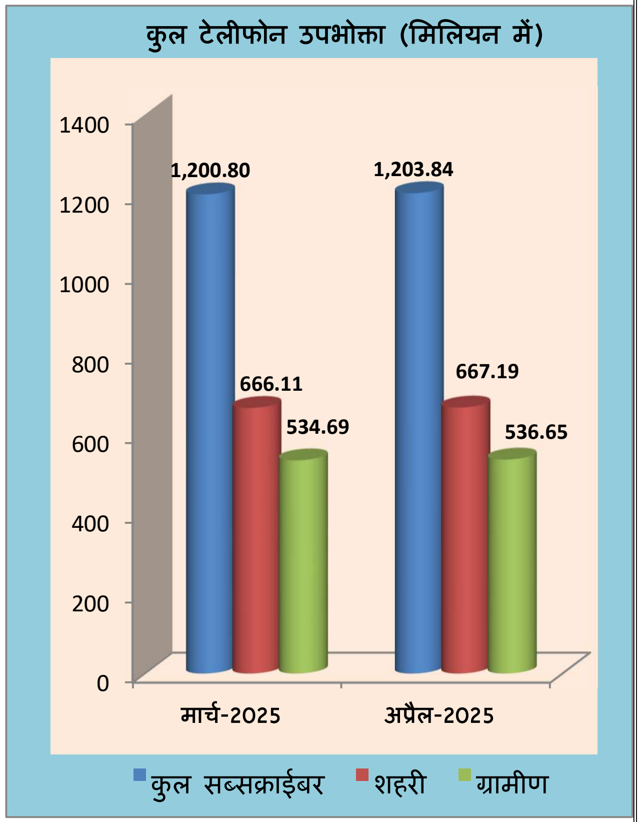

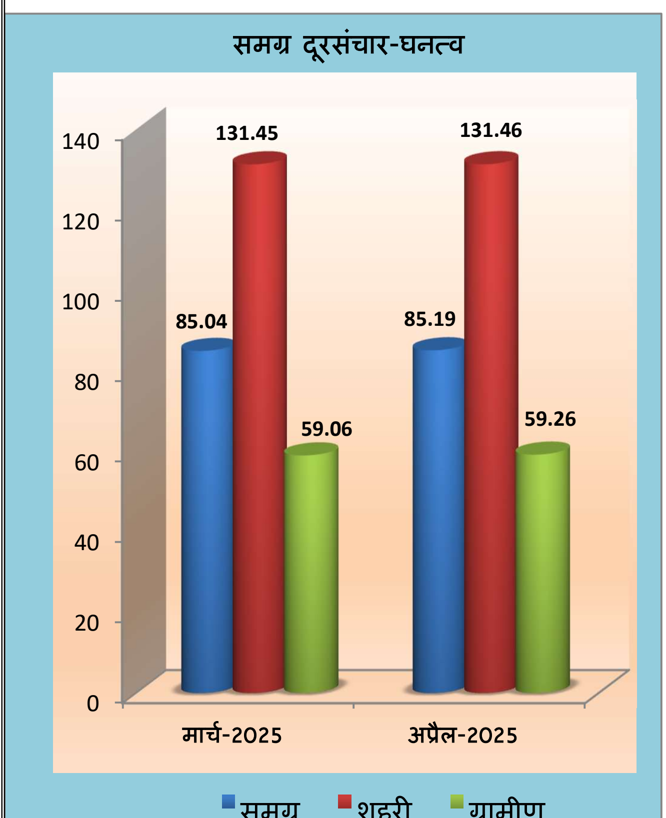

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व मार्च, 2025 के अंत तक 85.04% से बढ़कर अप्रैल, 2025 के अंत तक 85.19% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व मार्च, 2025 के अंत तक 132.45% से घटकर अप्रैल, 2025 के अंत तक 131.46% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.06% से बढ़कर 59.26% हो गया। अप्रैल, 2025 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबर की हिस्सेदारी क्रमशः 55.42% तथा 44.58% थी।

दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

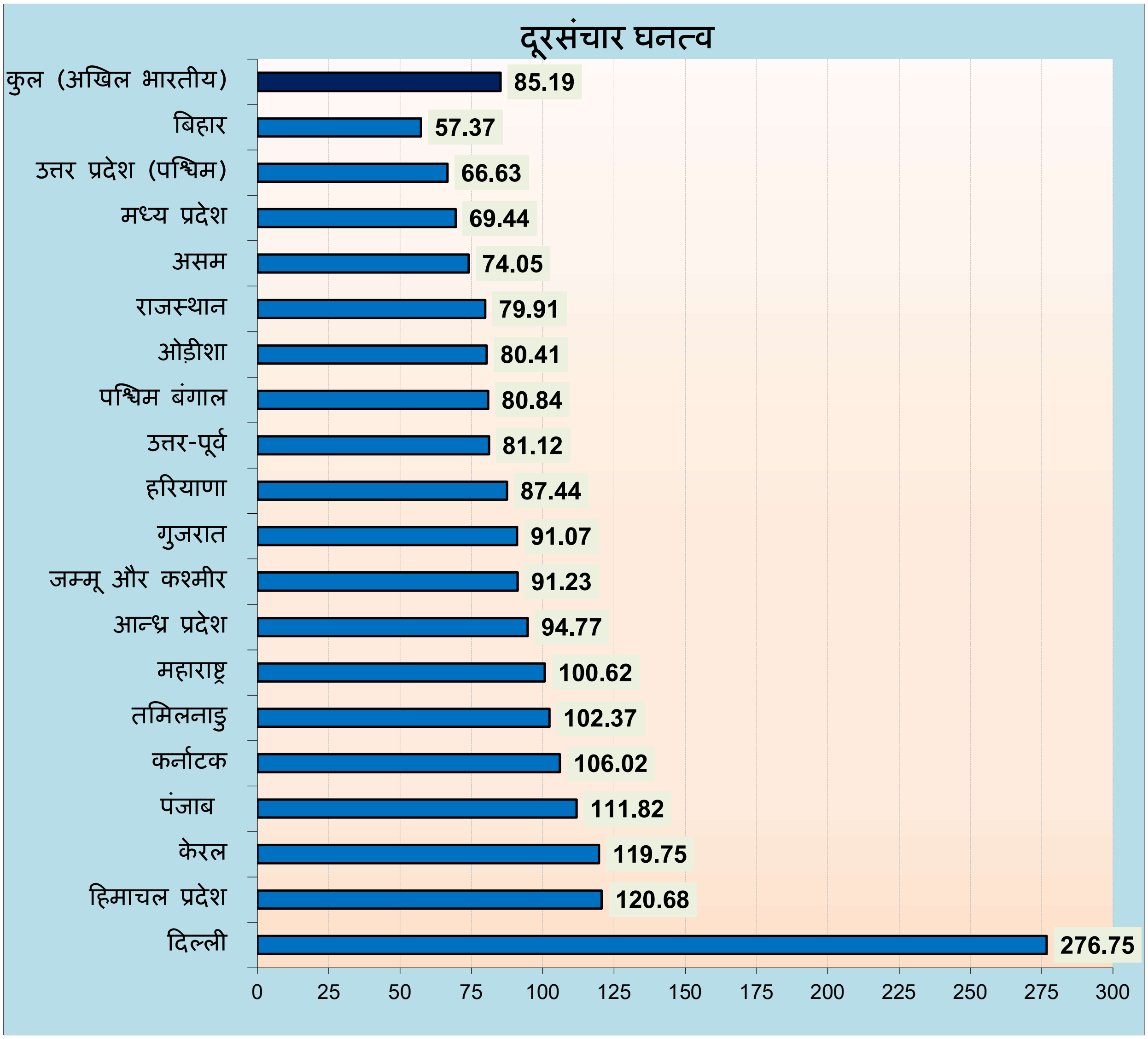

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि अप्रैल, 2025 के अंत में आठ सेवा क्षेत्रों में टेलि-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि-घनत्व 276.75% रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि-घनत्व 57.37% रहा।

नोटः -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

अप्रैल, 2025 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबर की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अप्रैल, 2025 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 30 अप्रैल, 2025 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	123033	1122724	14691279	387660891
श्रेणी – ख	126718	731768	10326625	472204750
श्रेणी - ग	58320	832811	3004991	193100415
महानगर	62149	-11939	9388059	113464478
अखिल भारतीय	**370220**	**2675364**	**37410954**	**1166430534**

*वायरलेस में 5जी एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

अप्रैल, 2025 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबर की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च, 2025 से अप्रैल, 2025)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अप्रैल, 2024 से अप्रैल, 2025)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी – क	0.84%	0.29%	10.12%	-0.19%
श्रेणी – ख	1.24%	0.16%	12.25%	-0.25%
श्रेणी - ग	1.98%	0.43%	11.93%	2.18%
महानगर	0.67%	-0.01%	3.89%	-1.10%
अखिल भारतीय	**1.00%**	**0.23%**	**9.19%**	**0.08%**

*वायरलेस में 5जी एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में अप्रैल, 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, सर्कल 'महानगर' को छोड़कर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सर्कल 'सी' को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में गिरावट दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में अप्रैल, 2025 के महीने के दौरान, मासिक एवं वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- अप्रैल, 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस सब्सक्राइबर की संख्या 1,158.93 मिलियन में से 1072.73 मिलियन वायरलेस सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल सब्सक्राइबर की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 92.56 प्रतिशत था।

- अप्रैल, 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

अप्रैल, 2025 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

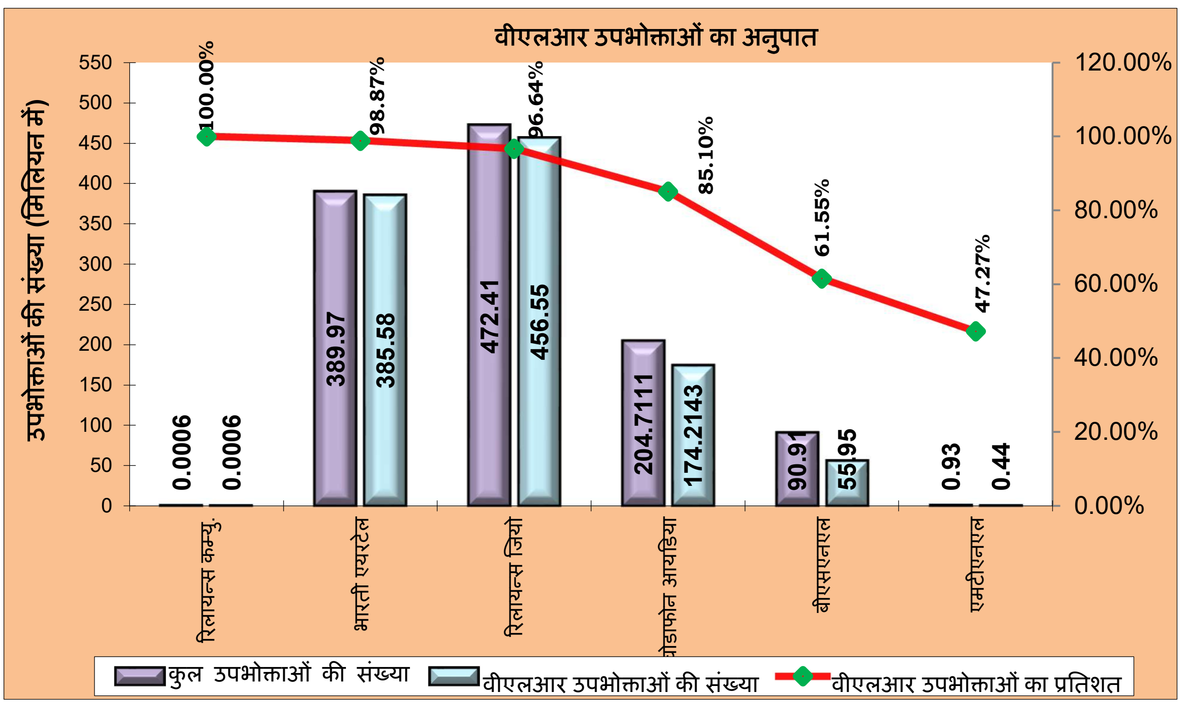

- अप्रैल, 2025 माह में रिलायन्स कम्युनिकेशन का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस सब्सक्राइबर की संख्या का 100% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस सब्सक्राइबर की संख्या का 47.27% अर्थात् न्यूनतम रहा।

अप्रैल, 2025 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

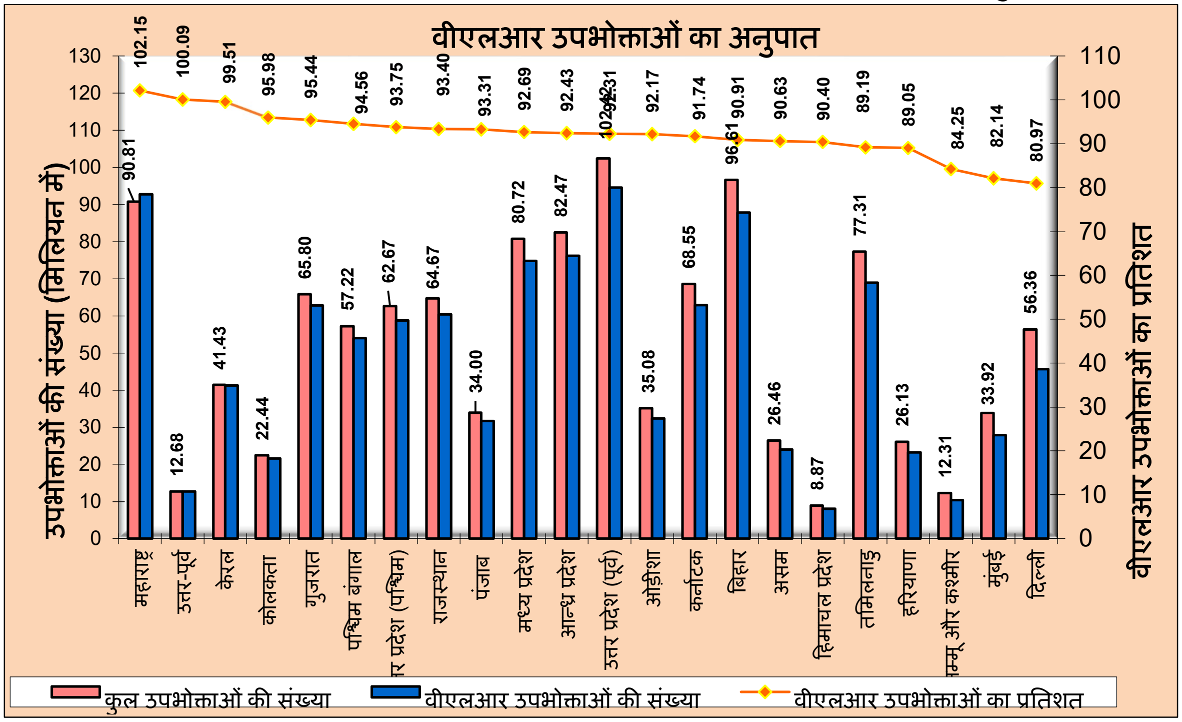

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन सब्सक्राइबर एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अप्रैल, 2025 के माह में कुल 13.48 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 13.48 मिलियन अनुरोधों में से 7.60 मिलियन अनुरोध जोन-। से तथा 5.88 मिलियन अनुरोध जोन-।। से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-। (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व में (113.81 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (91.80 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-॥ (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश में (89.58 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद कर्नाटक में (74.10 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	संचित पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)		सेवा क्षेत्र	संचित पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)	
	मार्च, 2025	अप्रैल, 2025		मार्च, 2025	अप्रैल, 2025
दिल्ली	53.25	53.87	आन्ध्र प्रदेश	72.69	73.33
गुजरात	76.11	77.03	असम	8.20	8.30
हरियाणा	35.19	35.58	बिहार	64.93	65.97
हिमाचल प्रदेश	4.68	4.74	कर्नाटक	73.53	74.10
जम्मू और कश्मीर	3.23	3.30	केरल	26.34	26.58
महाराष्ट्र	90.87	91.80	कोलकाता	20.17	20.36
मुंबई	36.23	36.50	मध्य प्रदेश	88.41	89.58
पंजाब	36.37	36.72	उत्तर-पूर्व	2.55	2.58
राजस्थान	74.56	75.23	ओड़ीशा	19.48	19.70
उत्तर प्रदेश-पूर्व	111.89	113.81	तमिलनाडु	69.33	69.96
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	84.03	85.44	पश्चिम बंगाल	66.88	67.93
कुल	606.43	614.03	कुल	512.51	518.38
कुल (जोन-I + जोन-II)				1,118.94	1,132.41
शुद्ध वृद्धि (अप्रैल 2025)					13.48

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-110029.
फोन-011-20907758
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

SHEO BHADRA SINGH

Digitally signed by SHEO BHADRA SINGH
Date: 2025.05.29 12:54:08 +05'30'

(एस बी सिंह)

प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्रक-I

सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	
आन्ध्र प्रदेश	668,464	660,664			818,838	836,796	15,739	14,712	225,405	232,240			82,230	82,200	1,602,029	1,656,304			629,518	629,069	**4,042,223**	**4,111,985**	**69,762**
असम	105,929	103,853			57,484	59,049	-	-					2,550	2,520	209,193	214,725					**375,156**	**380,147**	**4,991**
बिहार	168,961	168,285			375,859	372,420	9	9	13,215	13,370			5,337	5,337	598,865	623,817					**1,162,246**	**1,183,238**	**20,992**
दिल्ली	-	-	965,361	964,726	2,339,228	2,347,813	13,947	13,006	232,871	243,127			76,961	77,421	1,090,047	1,107,763					**4,718,415**	**4,753,856**	**35,441**
गुजरात	473,623	472,839			312,900	317,015	2,474	2,216	200,265	204,442			104,351	101,580	796,515	789,159					**1,890,128**	**1,887,251**	**-2877**
हरियाणा	336,160	345,422			198,273	201,952	-	-	39,148	39,100			450	450	157,469	161,343					**731,500**	**748,267**	**16,767**
हिमाचल प्रदेश	96,674	96,865			15,269	15,809	-	-	1,319	1,318			90	90	65,577	68,079					**178,929**	**182,161**	**3,232**
जम्मू और कश्मीर	55,249	54,159			132,443	135,784	-	-					30	30	226,081	234,554					**413,803**	**424,527**	**10,724**
कर्नाटक	688,040	679,823			1,289,853	1,293,842	14,366	13,352	494,611	504,883			173,357	177,461	1,020,310	1,032,612					**3,680,537**	**3,701,973**	**21,436**
केरल	1,235,087	1,212,363			120,845	125,724	2,401	2,296	16,605	16,622			6,600	6,622	361,762	369,271					**1,743,300**	**1,732,898**	**-10402**
कोलकता	239,254	237,746			213,273	214,837	3,118	3,001	63,409	64,572			14,664	13,411	546,574	560,621					**1,080,292**	**1,094,188**	**13,896**
मध्य प्रदेश	311,067	309,194			602,830	598,115	5	5	42,571	43,032			84,192	76,012	927,302	961,403					**1,967,967**	**1,987,761**	**19,794**
महाराष्ट्र	671,163	665,040			595,716	597,118	7,089	6,845	214,767	216,591			20,463	20,335	325,461	337,432					**1,834,659**	**1,843,361**	**8,702**
मुंबई	3,800	3,660	1,044,220	1,037,409	648,119	642,590	32,357	31,160	627,077	644,859			183,141	184,240	988,489	996,097					**3,527,203**	**3,540,015**	**12,812**
उत्तर-पूर्व	61,773	60,844			-	-	-	-					510	510	209,073	213,563					**271,356**	**274,917**	**3,561**
ओड़ीशा	157,382	156,021			75,498	79,113	4	4	16,821	16,707			3,450	2,990	292,026	305,166					**545,181**	**560,001**	**14,820**
पंजाब	559,074	557,925			378,144	380,999	1,780	1,508	15,130	15,022	346,098	344,856	1,600	1,600	406,580	417,248	54,010	54,010			**1,762,416**	**1,773,168**	**10,752**
राजस्थान	303,253	301,345			325,545	326,939	2,988	2,834	24,325	24,955			13,045	12,445	471,841	490,971					**1,140,997**	**1,159,489**	**18,492**
तमिलनाडु	996,350	991,269			1,005,678	1,013,338	11,400	9,572	132,543	134,518			31,906	31,957	942,822	966,055					**3,120,699**	**3,146,709**	**26,010**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	139,467	139,058			325,394	328,851	28	28	12,649	12,502			17,470	17,082	624,029	648,758					**1,119,037**	**1,146,279**	**27,242**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	215,475	213,302			223,098	228,471	7	7	6,972	7,191			4,396	4,336	706,723	739,991					**1,156,671**	**1,193,298**	**36,627**
पश्चिम बंगाल	197,536	189,365			86,815	88,380	21	21	2,690	2,573			150	150	290,807	304,976					**578,019**	**585,465**	**7,446**
कुल	**7,683,781**	**7,619,042**	**2,009,581**	**2,002,135**	**10,141,102**	**10,204,955**	**107,733**	**100,576**	**2,382,393**	**2,437,624**	**346,098**	**344,856**	**826,943**	**818,779**	**12,859,575**	**13,199,908**	**54,010**	**54,010**	**629,518**	**629,069**	**37,040,734**	**37,410,954**	**370,220**
शुद्ध योग		**-64739**		**-7446**		**63853**		**-7157**		**55231**		**-1242**		**-8164**		**340333**		**0**		**-449**		**370220**	**0.37**
ग्रामीण ग्राहक	**2,178,675**	**2,151,944**	**29**	**29**	**2,744**	**2,553**	**300**	**300**	**5,512**	**5,268**	**63,995**	**63,340**	**-**	**-**	**783,502**	**822,930**	**-**	**-**	**465,843**	**465,801**	**3,500,600**	**3,512,165**	**11,565**

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक -II

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	
आन्ध्र प्रदेश	33,923,195	33,965,795	-	-	9,699,287	9,690,229	6,937,453	6,939,168			31,776,074	31,871,384	**82,336,009**	**82,466,576**	130,567
असम	12,241,287	12,314,102	-		1,420,096	1,422,240	2,970,848	2,969,614			9,726,580	9,752,800	**26,358,811**	**26,458,756**	99,945
बिहार	41,096,191	40,967,773	-	-	7,727,548	7,781,220	5,771,775	5,752,352			41,730,845	42,106,190	**96,326,359**	**96,607,535**	281,176
दिल्ली	18,771,602	18,877,637	1	1	16,756,217	16,796,269			789,314	788,984	19,802,703	19,892,440	**56,119,837**	**56,355,331**	235,494
गुजरात	12,359,251	12,401,101	1	1	19,629,831	19,680,582	3,266,954	3,260,886			30,117,232	30,453,865	**65,373,269**	**65,796,435**	423,166
हरियाणा	7,245,664	7,256,973	-	-	6,365,079	6,337,736	4,212,938	4,199,581			8,303,012	8,333,583	**26,126,693**	**26,127,873**	1,180
हिमाचल प्रदेश	3,575,615	3,575,366	-	-	379,892	381,498	1,682,282	1,686,251			3,216,541	3,230,655	**8,854,330**	**8,873,770**	19,440
जम्मू और कश्मीर	6,179,009	6,259,328	-	-	262,607	266,116	866,466	865,999			4,873,069	4,921,318	**12,181,151**	**12,312,761**	131,610
कर्नाटक	32,306,447	32,337,705	412	410	6,628,032	6,737,615	4,573,403	4,570,631			24,786,795	24,907,184	**68,295,089**	**68,553,545**	258,456
केरल	8,915,860	8,979,470	-	-	12,920,924	12,886,334	8,780,341	8,786,312			10,699,305	10,775,087	**41,316,430**	**41,427,203**	110,773
कोलकता	5,435,465	5,414,409	-	-	4,851,202	4,797,574	1,454,781	1,455,425			10,710,207	10,767,827	**22,451,655**	**22,435,235**	-16420
मध्य प्रदेश	16,642,059	16,632,103	-	-	13,599,147	13,390,619	5,164,051	5,129,940			45,194,727	45,566,747	**80,599,984**	**80,719,409**	119,425
महाराष्ट्र	22,583,417	22,616,457	-	-	20,309,525	20,208,191	5,301,279	5,288,032			42,565,948	42,699,088	**90,760,169**	**90,811,768**	51,599
मुंबई	10,124,250	10,117,466	56	64	10,711,200	10,717,031			208,915	141,577	13,172,111	12,943,992	**34,216,532**	**33,920,130**	-296402
उत्तर-पूर्व	6,419,608	6,441,774	-	-	637,041	629,682	1,290,499	1,290,594			4,305,145	4,322,201	**12,652,293**	**12,684,251**	31,958
ओड़ीशा	11,996,212	12,000,051	-	-	1,397,972	1,404,631	5,573,279	5,565,278			15,956,645	16,109,743	**34,924,108**	**35,079,703**	155,595
पंजाब	12,564,173	12,536,760	6	7	6,037,566	5,987,467	4,092,007	4,082,258			11,347,016	11,396,751	**34,040,768**	**34,003,243**	-37525
राजस्थान	23,434,836	23,398,032	81	78	9,173,311	9,122,850	5,634,425	5,626,191			26,378,934	26,522,578	**64,621,587**	**64,669,729**	48,142
तमिलनाडु	30,155,175	30,287,993	-	-	14,731,787	14,592,467	7,783,902	7,758,526			24,608,262	24,674,009	**77,279,126**	**77,312,995**	33,869
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36,484,630	36,295,702	-	-	16,128,148	16,049,712	8,081,876	8,065,974			41,697,984	42,010,696	**102,392,638**	**102,422,084**	29,446
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18,885,824	18,828,814	-	-	14,371,653	14,284,138	4,984,322	4,979,572			24,399,462	24,576,722	**62,641,261**	**62,669,246**	27,985
पश्चिम बंगाल	18,464,267	18,469,884	9	8	11,620,668	11,546,912	2,637,783	2,633,080			24,395,255	24,573,830	**57,117,982**	**57,223,714**	105,732
कुल	**389,804,037**	**389,974,695**	**566**	**569**	**205,358,733**	**204,711,113**	**91,060,664**	**90,905,664**	**998,229**	**930,561**	**469,763,852**	**472,408,690**	**1,156,986,081**	**1,158,931,292**	**1945211**
शुद्ध योग		**170,658**		**3**		**-647620**		**-155000**		**-67668**		**2,644,838**		**1,945,211**	
ग्रामीण ग्राहक	192,417,015	192,787,053	-	-	97,566,288	97,379,902	29,802,138	30,069,936	16,497	16,490	208,876,274	210,109,138	**528,678,212**	**530,362,519**	**1,684,307**

अप्रैल, 2025 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में) अनुलग्नक-III

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	97.32	68.50	91.51		-	92.70	**92.43**
असम	98.59	26.72	92.51		-	99.76	**90.63**
बिहार	92.01	39.10	85.99		-	97.83	**90.91**
दिल्ली	92.08		52.82	39.48	100.00	95.84	**80.97**
गुजरात	107.38	55.35	90.23		0.00	98.25	**95.44**
हरियाणा	100.37	37.06	92.48		-	102.77	**89.05**
हिमाचल प्रदेश	96.63	53.01	107.47		-	100.99	**90.40**
जम्मू और कश्मीर	89.75	62.83	84.68		-	80.99	**84.25**
कर्नाटक	96.32	69.84	72.92		100.00	94.91	**91.74**
केरल	100.96	114.39	93.68		-	93.14	**99.51**
कोलकता	99.11	98.16	87.01		-	98.11	**95.98**
मध्य प्रदेश	99.54	40.53	86.83		-	97.78	**92.69**
महाराष्ट्र	106.57	95.71	93.42		-	104.74	**102.15**
मुंबई	87.39		70.82	90.68	100.00	87.33	**82.14**
उत्तर-पूर्व	102.46	53.44	96.40		-	111.01	**100.09**
ओड़ीशा	103.59	47.15	91.55		-	99.27	**92.17**
पंजाब	102.54	53.95	90.60		100.00	98.68	**93.31**
राजस्थान	101.30	43.93	90.80		100.00	97.81	**93.40**
तमिलनाडु	100.05	76.92	79.81		-	85.26	**89.19**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	100.50	38.05	90.10		-	96.48	**92.31**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	105.97	46.37	90.46		-	95.90	**93.75**
पश्चिम बंगाल	98.66	83.87	89.47		100.00	95.02	**94.56**
कुल	**98.87**	**61.55**	**85.10**	**47.27**	**100.00**	**96.64**	**92.56**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-IV

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (**बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5 जी एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक -V

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25	मार्च-25	अप्रैल-25
आन्ध्र प्रदेश	109,332	124,489	483,555	523,220	**592,887**	**647,709**
असम	18,926	23,356	112,772	121,639	**131,698**	**144,995**
बिहार	31,033	40,139	393,755	432,737	**424,788**	**472,876**
दिल्ली	80,217	85,684	248,601	275,779	**328,818**	**361,463**
गुजरात	70,246	78,442	354,742	387,275	**424,988**	**465,717**
हरियाणा	32,967	37,846	165,679	190,522	**198,646**	**228,368**
हिमाचल प्रदेश	4,963	5,943	43,423	47,370	**48,386**	**53,313**
जम्मू और कश्मीर	18,720	22,074	104,171	121,047	**122,891**	**143,121**
कर्नाटक	110,459	123,393	338,177	361,122	**448,636**	**484,515**
केरल	20,238	23,802	107,195	112,690	**127,433**	**136,492**
कोलकता	44,033	48,815	168,284	184,025	**212,317**	**232,840**
मध्य प्रदेश	48,253	55,514	341,863	378,970	**390,116**	**434,484**
महाराष्ट्र	104,860	117,738	467,583	507,096	**572,443**	**624,834**
मुंबई	49,795	53,015	97,463	106,464	**147,258**	**159,479**
उत्तर-पूर्व	8,956	11,234	56,347	60,125	**65,303**	**71,359**
ओड़ीशा	26,630	30,173	150,856	167,802	**177,486**	**197,975**
पंजाब	57,984	65,579	352,775	399,922	**410,759**	**465,501**
राजस्थान	73,743	83,107	300,786	342,890	**374,529**	**425,997**
तमिलनाडु	156,080	173,668	299,471	323,129	**455,551**	**496,797**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	59,990	70,449	426,558	471,068	**486,548**	**541,517**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	44,301	52,999	354,251	397,816	**398,552**	**450,815**
पश्चिम बंगाल	26,031	30,513	203,025	228,562	**229,056**	**259,075**
कुल	**1197757**	**1,357,972**	**5,571,332**	**6,141,270**	**6,769,089**	**7,499,242**
शुद्ध योग		**160215**		**569938**		**730153**
मासिक वृद्धि%		**13.38%**		**10.23%**		**10.79%**
ग्रामीण ग्राहक			**2,506,272**	**2,774,249**	**2506272**	**2,774,249**